RNI NO. : 52419/91

चाणक्य भूमि

हिन्दी दैनिक

• वर्ष : 32 • अंक : 16 • 23:1:2024 • मंगलवार • मूल्य : 5/-

अभिजीत मुहूर्त में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

पीएम का भाषण राम-राम से शुरू, जय सियाराम पर खत्म

पीएम मोदी, भागवत, योगी और आनंदी बेन बने यजमान

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या स्थित राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पूरे विधि-विधान के साथ अभिजीत मुहूर्त में की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मोहन भागवत, सीएम योगी आदित्यनाथ एवं आनंदी बेन यजमान बने। अयोध्या राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही 500 वर्षों की तपस्या आज सोमवार को अभिजीत मुहूर्त में पूरी हो गई। अयोध्या में प्रभु श्रीराम आज भव्य और दिव्य मंदिर में तमाम भक्तों को दर्शन देने विराजमान हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, आनंदी बेन और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत संत समाज और अति विशिष्ट लोगों की उपस्थिति में रामलला के श्रीविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक अनुष्ठान आज संपन्न हो गया। देश और दुनिया की तमाम बड़ी हस्तियों की मौजूदगी में आखिरकार वह घड़ी भी आ गई जबकि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 500 वर्षों के इंतजार के बाद आज प्रभु श्रीराम अपने भव्य और दिव्य मंदिर में विराजे हैं। इससे पहले राम लला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य बनाने अयोध्या नगरी को हजारों क्विंटल फूलों से दुल्हन की तरह सजाया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूपी के सीएम योगी समेत संत समाज और अति विशिष्ट लोगों की उपस्थिति में रामलला के श्रीविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक अनुष्ठान आज अभिजीत मुहूर्त में संपन्न हुआ। इसी के साथ अब मंगलवार यानी 23 जनवरी से मंदिर को आमजन के लिए खोल दिया जाएगा। गौरतलब है कि भगवान राम की मनमोहक व ऐतिहासिक प्रतिमा को मैसूर के मशहूर मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाया है। इस मूर्ति को गुरुवार के दिन मंदिर के गर्भगृह में रखा गया था और आज सोमवार को भव्य आयोजन के साथ रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

9999 हीरों से सूरत के रत्नकार ने बनाई प्रभु श्रीराम मंदिर की मनमोहक छवि

सूरत। अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर काफी समय से भारत समेत पूरी दुनिया राममय गई थी। हर व्यक्ति प्रभु श्रीराम की भक्ति में लीन है और बड़ी बेसब्री से प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा कर रहा था। 500 वर्षों के बाद प्रत्येक रामभक्त की प्रतीक्षा का आज अंत हो जाएगा। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। ऐसे में आज सूरत से एक रत्नकार की अदभुत कला सामने आई है। रत्नकार ने हीरों का उपयोग कर प्रभु श्रीराम मंदिर की मनमोहक छवि बनाई है। रत्नकार ने यह छवि बनाने में 9999 हीरों का उपयोग किया है। प्रभु श्रीराम के लिए देशभर से नाना प्रकार के उपहार अयोध्या जा रहे हैं। गुजरात के वडोदरा से 108 फूट लंबी अगरबत्ती अयोध्या भेजी गई थी जो वहां प्रज्वलित की जा चुकी है और अपनी सुगंध फैला रही है। प्रभु श्रीराम मंदिर की थीम के साथ एक हीरों का हार भी बनाया गया है। 40 कारीगरों ने 35 दिनों की मेहनत से यह हार बनाया है। अब सूरत के एक रत्नकार द्वारा 9999 के हीरों की मदद से प्रभु श्रीराम मंदिर की छवि तैयार की है।

35 मिनट में 114 बार राम नाम लिया, कुछ लोग कहते थे, मंदिर बना तो आग लग जाएगी : पीएम

अयोध्या। अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सोमवार को पूरा हो गया। मोदी बतौर मुख्य यजमान हल्के पीले रंग की धोती और कुर्ता पहनकर 12 बजे मंदिर परिसर में पहुंचे। उनके हाथ में एक थाल थी, जिसमें श्रीरामलला का चांदी का छत्र था। संकल्प के साथ प्राण प्रतिष्ठा की विधि 12 बजकर 5 मिनट पर शुरू हुई, जो 1 घंटे से ज्यादा समय तक चली। प्रधानमंत्री ने भगवान की आरती कर चंवर डुलाया। मुख्य पुजारी सत्येन्द्र दास से कलावा बंधवाया और उनके पैर छुए। इसके बाद उन्होंने श्रीरामलला की परिक्रमा की और साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के भी पैर छुए। संतों ने उन्हें सोने की अंगूठी भेंट की। मोदी ने मंदिर के गर्भगृह से बाहर आकर अपना 11 दिन का व्रत भी तोड़ा। लोगों को 35 मिनट संबोधित किया। भाषण राम-राम से शुरू होकर जय सियाराम पर खत्म हुआ। राम के नाम का जिक्र 114 बार किया। उन्होंने कहा- कुछ लोग कहते थे, मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है। ये भारत के उत्कर्ष-उदय का साक्षी बनेगा।

मोदी के भाषण की 6 बातें...

1. रामलला के प्राण प्रतिष्ठा पर

मोदी बोले- रामलला अब टेंट में नहीं, दिव्य मंदिर में रहेंगे। राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। लोग इसे हजारों साल याद करेंगे।

2. देश के माहौल पर

PM ने कहा- आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज शाम घर-घर राम ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारी है। PM ने कहा- अपने 11 दिन के व्रत-अनुष्ठान के दौरान मैंने उन स्थानों का चरणस्पर्श करने का प्रयास किया, जहां प्रभु राम के चरण पड़े थे। मेरा सौभाग्य है कि इसी पुनीत पवित्र भाव के साथ मुझे सागर से सरयू तक की यात्रा का अवसर मिला।

3. सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर

PM ने कहा- मैं प्रभु राम से क्षमा याचना करता हूं। हमारे त्याग, तपस्या, पूजा में कोई तो कमी रह गई होगी कि इतने साल मंदिर निर्माण का काम नहीं हो पाया। आज ये कमी पूरी हुई। भारत के संविधान की पहली प्रति में राम विराजमान हैं। दशकों तक प्रभु राम के अस्तित्व पर कानूनी लड़ाई चली। मैं न्यायपालिका का शुक्रगुजार हूं कि उसने लाज रख ली।

4. राम को लेकर विवाद पर

प्रधानमंत्री ने कहा- कई राष्ट्र अपने ही इतिहास में उलझ जाते हैं। जब भी उन्होंने इतिहास की गांठें सुलझाने का प्रयास किया मुश्किल परिस्थितियां बन गईं। हमने जिस गांठ को भावुकता और समझदारी के साथ खोला है, वो बताता है कि भविष्य बहुत सुंदर होने जा रहा है। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है। राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। ये मंदिर महज देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत का विचार-विधान है। राम भारत का चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता है। राम विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। इसलिए जब राम की स्थापना होती है तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है।

5. कारसेवकों और संतों पर

प्रधानमंत्री ने कहा- ऋषियों ने कहा है कि जिसमें रम जाएं, उसी में राम है। हर युग में लोगों ने राम को जिया है। हर युग में लोगों ने अपने-अपने शब्दों, अपनी-अपनी तरह राम को व्यक्त किया है। ये राम रस निरंतर बहता रहता है। आज के इस ऐतिहासिक समय में देश उन व्यक्तित्वों को भी याद कर रहा है, जिनकी वजह से शुभ दिन देख रहे हैं। हम कारसेवकों, संत-महात्माओं के ऋणी हैं।

6. देश के विजन पर

प्रधानमंत्री ने कहा- युवाशक्ति चांद पर तिरंगा फहरा रही है तो 15 लाख किमी दूर अंतरिक्ष में यान पहुंचा रही है। आने वाला समय अब सफलता का है। आने वाला समय सिद्धि का है। ये राम मंदिर भारत के उत्कर्ष-उदय का साक्षी बनेगा। मंदिर सिखाता है कि लक्ष्य प्रमाणित हो तो उसे हासिल किया जा सकता है। शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद हम यहां पहुंचे हैं। अब हम रुकेंगे नहीं।

रामलला आए, अब हमें विवाद से बचना होगा: भागवत

एजेंसी। अयोध्या

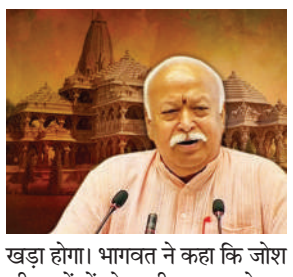

अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो गई है। इस मौके पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- आज 500 साल बाद रामलला यहां लौटे हैं। रामलला के साथ भारत का स्व लौट कर आया है। इसके अलावा हमें सबको साथ लेकर चलना है, अब विवादों से बचना होगा। उत्तर प्रदेश के CM योगी आदित्यनाथ ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। योगी ने कहा- प्रभु राम की कृपा से अब कोई अयोध्या की परिक्रमा में बाधा नहीं बन पाएगा। अयोध्या की गलियो में गोलियों की गड़गड़ाहट नहीं होगी। यहां की गलियां श्री राम नाम से गूंजेंगी। मोहन भागवत ने कहा कि आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का गर्व लौटकर आया है। संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला भारत खड़ा होगा। भागवत ने कहा कि जोश की बातों में होश की बात करने का काम मुझे ही दिया जाता है। मोहन भागवत ने कहा कि आज हमने सुना कि प्रधानमंत्री ने यहां आने से पहले कठोर तप रखा है। जितना कठोर तप रखा जाना चाहिए था, उससे ज्यादा कठिन तप रखा. मैं जानता हूं, वे तपस्वी हैं। लेकिन वे अकेले तप कर रहे हैं, हम क्या करेंगे? आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अयोध्या में रामलला आ गए। अयोध्या से बाहर क्यों गए थे? रामायण काल में ऐसा क्यों हुआ था? अयोध्या में कलह हुआ था? अयोध्या उस पुरी का नाम है, जिसमें कोई द्वंद, कलह और दुविधा नहीं। फिर भी राम 14 साल वनवास में गए। दुनिया की कलह मिटाकर वापस आए। आज रामलला वापस आए हैं, 500 सालों के बाद। जिनके त्याग, तपस्या, प्रयासों से आज हम यह स्वर्ग देख रहे हैं, उनका स्मरण प्राण-प्रतिष्ठा के संकल्प में हमने किया। मोहन भागवत ने कहा कि आज के दिन रामलला के वापस आने का इतिहास जो-जो स्मरण करेगा, वो राष्ट्र के लिए होगा। हम अपने देश को विश्व गुरु बनाएंगे। प्रधानमंत्री ने तप किया, अब हमें भी तप करना है। राम राज्य कैसा था, ये याद रखना है। हम भारत वर्ष की संतानें हैं। मोहन भागवत ने कहा, हमें अच्छा व्यवहार रखना जारी रखना होगा। हमें सारी कलह को विदाई देनी होगी।

टाइम्स स्केयर पर दिखा भव्य राम मंदिर

एजेंसी। न्यूयॉर्क

सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की धूम है और अमेरिका में रह रहे भारतीय भी इससे अछूते नहीं है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध टाइम स्क्वायर की स्क्रीन पर भी दिखाया गया। अमेरिका में बसे भारतीय भी प्रभु श्री राम के भव्य राम मंदिर में विराजमान होने वाले ऐतिहासिक पल के साक्षी बने। अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर टाइम्स स्क्वायर पर ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर के सदस्यों द्वारा लड्डू भी बांटे गए। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लाइव प्रसारण के लिए न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में जगह-जगह बड़ी स्क्रीन लगाई गई हैं। यहां पर राम मंदिर उद्घाटन का लाइव टेलीकास्ट दिखाया गया। अमेरिका में हिंदुस्तानियों की बड़ी आबादी रहती है। अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के कई देशो में बड़ी संख्या में भारतीयों की आबादी रहती है, वहां राम मंदिर कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया गया। न्यूयॉर्क की ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर संस्था के अनुसार अमेरिका में भी इस कार्यक्रम को बेहद धूमधाम से मनाया जा रहा है। दुनिया भर के लोगों को इस आयोजन से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की।

समाजसेवी गरिमा सिकारिया के निशुल्क भोजन शिविर के हुये 1211 दिन

- नगर के पतालेश्वरनाथ मंदिर में मुफ्त भोजन परोसने के शिविर का 1211 दिन पूरे होने पर महापौर गरिमा ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करने का मौका मिला यह मेरा सौभाग्य है
- आपकों बता दें कि नगर निगम महापौर के निजी कोष से बीते तीन साल चार माह से प्रतिदिन जारी गरीब असहाय जन के निःशुल्क भोजनालय के कर्मियों का उत्साह बढ़ाने पहुंची गरिमा सिकारिया
- कोरोना त्रासदी कहर के बीच बीते 15 अप्रैल 2020 में तत्कालीन सदर एसडीएम ने किया था गर्म भोजन के निःशुल्क परोसने के शिविर का उद्घाटन
- लालबाजार में ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला के समीप स्थित पतालेश्वरनाथ मंदिर परिसर के समीप तब से रोज दोपहर परोसा जाता है निःशुल्क भोजन

बेतिया। नगर निगम महापौर गरिमा देवी सिकारिया के निजी कोष से गरीब असहायों के लिए मुफ्त में गर्म भोजन रोज परोसने के शिविर का 1211 दिन यानी तीन साल चार महीना पूरे होने पर शुक्रवार को वे भोजनालय में पहुंचीं। इस मौके पर उन्होंने इस निःशुल्क शिविर की व्यवस्था देख रहे अपने सहयोगियों के साथ रसोइया और अन्य के प्रति आभार व्यक्त किया। श्रीमती सिकारिया ने कहा कि नगर के हजारों की श्रद्धा का केंद्र रहे पतालेश्वरनाथ मंदिर के समीप के भोजनालय से गरीब असहायों के लिए मुफ्त भोजन परोसने के शिविर का 1211 दिन पूरा होने के माध्यम से जरूरतमंदों की मेरी और मेरे समस्त परिवार को इस सेवा का मिलना हम सबका परम सौभाग्य है। उन्होंने बताया कि कठिन दौर रही कोरोना त्रासदी के दौरान बीते 15 अप्रैल 2020 को तत्कालीन सदर एसडीएम के द्वारा इसकी शुरुआत की गई थी।

महापौर श्रीमती सिकारिया ने इस मौके पर यह भी बताया कि हमारे ससुर पिता और शहर के नामचीन व्यवसाई भोलानाथ सिकारिया और सासू मां सुमन सिकारिया इस इस शिविर के प्रेरणाश्रोत रहे हैं। इस शिविर का आज तीन साल और करीब चार महीना पूरा हो जाने पर अपने नगर निगम क्षेत्र के जरूरतमंद, गरीब व लाचारजन के बीच गर्म पका भोजन रोज परोसने का पुण्य कार्य किया गया है। तब से आज तक गरीब, लाचार असहाय और निशक्तजन के लिए संचालित प्रतिदिन गर्म व पका निःशुल्क भोजन वितरण शिविर के आज 1211 दिन दिन पूरा हो जाने पर मैं स्वयं को आज गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।उन्होंने अपने सहयोगियों विशेष कर शिविर के व्यवस्थापक नवेंदु चतुर्वेदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके और अन्य सहयोगियों की मदद से शिविर में जो भी आता है भोजन करने के बाद ही वापस जाता है। यह शिविर ईश्वर की इच्छा तक आगे भी जारी रहेगा। मौके पर अनुराग चतुर्वेदी, सुशीला देवी, निरंजन चतुर्वेदी, अनिल कुमार, चंदन कुमार, राजू कुमार, रेमी पीटर, कुश कश्यप आदि के सहयोग से ही प्रतिदिन भोजन वितरण का कार्य किया जाता है।

बेमिसाल है नेताजी की आजाद हिन्द फौज

रमेश सर्राफ धमोरा

आजादी की जंग में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को 126 वीं जयंती मनाई जा रही है। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ही साहस व पराक्रम का उदाहरण है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। नेताजी की अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में हुई। तत्पश्चात् उनकी शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई। उन्होंने इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय से सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया था। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा का नारा भी उनका उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। 1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस ने सिविल सर्विस की सरकारी नौकरी छोड़ कर कांग्रेस से जुड़ गए। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में नेताजी ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाष बोस उसके एक सदस्य थे। 26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष एक विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उनको जेल भेज दिया। जब सुभाष बोस जेल में थे तब गांधी जी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इनकार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधी जी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें। लेकिन गांधीजी अपना वचन तोड़ने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्वारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये। 1930 में सुभाष कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबीयत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन् 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया। 1938 में गांधीजी ने कांग्रेस के हरिपुरा वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना तो था मगर उन्हें उनकी कार्यपद्धति पसन्द नहीं आयी। इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतंत्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था। परन्तु गांधीजी इससे सहमत नहीं थे। 1939 में जब नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने का वक्त आया तब सुभाष चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बनाया जाये जो इस मामले में किसी दबाव के आगे बिल्कुल न झुके। ऐसा किसी दूसरे व्यक्ति के सामने न आने पर सुभाष ने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना चाहा। लेकिन गांधीजी उन्हें अध्यक्ष पद से हटाना चाहते थे। गांधीजी ने अध्यक्ष पद के लिये पट्टाभि सीतारमैया को चुना। बहुत बरसों बाद कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ। चुनाव में नेताजी सुभाष को 1580 मत व सीतारमैय्या को 1377 मत मिले। गांधीजी के विरोध के बावजूद सुभाष बाबू 203 मतों से चुनाव जीत गये। गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बताया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 3 मई 1939 को सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की अनीता नाम की एक बेटी भी हुई। जर्मनी जाकर नेताजी हिटलर से मिले। 1943 में उन्होंने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया लक्ष्मी सहगल जिसकी कैप्टन बनी। नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। आजाद हिन्द फौज के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुंचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा दिया। खून भी एक दो बूंद नहीं इतना कि खून का एक महासागर तैयार हो जाये और उसमें मैं ब्रिटिश साम्राज्य को डूबो सकूं। 1944 को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा

आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत की अंग्रेज शासकों को आक्रमण कर चुनौती दी। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंदमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आजाद-हिन्द सरकार के नियंत्रण में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा। 6 जुलाई 1944 को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधी जी को पहली बार राष्ट्रपिता बुलाकर अपनी जंग के लिये उनका आशीर्वाद भी मांगा। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका। किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 के नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारत में सेना के बल पर शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतंत्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। विश्व इतिहास में आजाद हिंद फौज जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। जहां 30-35 हजार युद्ध बंदियों को संगठित, प्रशिक्षित कर अंग्रेजों को पराजित किया। पूर्व एशिया और जापान पहुंच कर उन्होंने आजाद हिन्द फौज का विस्तार करना शुरू किया। रंगून के जुबली हॉल में सुभाष चंद्र बोस द्वारा दिया गया भाषण सदैव के लिए इतिहास के पत्रों में अंकित हो गया। नेताजी की मृत्यु के संबध में विवाद बना हुआ है कि 18 अगस्त 1945 के बाद का सुभाषचन्द्र बोस का जीवन-मृत्यु आज तक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है।

श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का शुभारंभ

समस्तीपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज समस्तीपुर जिला के सराय रंजन में 591 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। आपको बता दें की 500 बेड वाला यह अस्पताल सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है । इस मेडिकल कॉलेज में प्रति वर्ष 100 विद्यार्थियों का नामांकन होगा। श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भूकपरोधी बनाया गया है। यह ग्रीन बिल्डिंग है। अस्पताल परिसर में ही अधीक्षक, प्राचार्य, चिकित्सक, कर्मीगण एवं छात्र-छात्राओं के लिए रहने की व्यवस्था की गई है। सबसे बड़ी बात यह है की मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए धर्मशाला का भी प्रावधान कराया गया है। श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का उद्घाटन करने के पश्चात् मुख्यमंत्री ने अस्पताल के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया। इसके पश्चात् सभा कक्ष में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण कार्यों एवं यहां की व्यवस्थाओं के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। इस दौरान श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति दी गई।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने श्रीराम जानकी कॉलेज अस्पताल परिसर में जनसभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का आज उद्घाटन हुआ है। यह सुंदर अस्पताल बना है जहां इलाज की सभी प्रकार की सुविधा होगी। आप सभी को इलाज के लिए बाहर जाना नहीं पड़ेगा। इतनी बड़ी संख्या में आप सभी यहां उपस्थित हुए हैं, मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री आलोक कुमार मेहता, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी, सांसद रामनाथ ठाकुर, विधायक अजय कुमार, विधायक राजेश सिंह, विधायक रणविजय साहू, विधायक वीरेंद्र पासवान, विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहीन, पूर्व सांसद अश्वमेध देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दिनेश कुमार, दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त मनीष कुमार, दरभंगा प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक बाबू राम, समस्तीपुर के जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह, समस्तीपुर के पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी, श्रीराम जानकी अस्पताल एवं कॉलेज की अधीक्षक डॉ० अलका झा, प्राचार्य डॉ० आभारानी सिन्हा सहित वरीय अधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मोतिहारी पुलिस के हत्थे चढ़ा साइबर अपराधी

मोतिहारी। पुलिस ने भाग रहे साइबर अपराधी को दौड़ा कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधी के पास से पुलिस ने विभिन्न बैंकों के 58 एटीएम को जप्त किया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान गोपालगंज जिला के रोहित कुमार साह के रूप मे हुई है जो मोहमदपुर थाना क्षेत्र का रहनेवाला बताया जा रहा है। मोतिहारी एसपी के निर्देश पर अरेराज डीएसपी के नेतृत्व में ओपी थाना अध्यक्ष ने कार्रवाई किया है। अरेराज ओपी थाना क्षेत्र के हरदिया चौक स्थित एटीएम के पास पुलिस ने कार्रवाई किया है। मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया की साइबर फ्रॉड के कांडों में गिरफ्तारी व उदभेदन के लिए एक विशेष टीम का जिला में गठन किया गया है। शुक्रवार को गुप्त सूचना मिली कि अरेराज में कुछ संदिग्ध साइबर अपराधी को देखा गया है। सूचना के बाद अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में ओपी थाना अध्यक्ष विभा कुमारी व पीएसआई रमेन्द्र कुमार की एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने नाकेबंदी कर सघन जांच शुरू किया। इसी दौरान हरदिया चौक स्थित एटीएम के पास खड़ा एक संदिग्ध पुलिस को देखते भागने लगा। पुलिस ने भागते युवक को पकड़कर जांच किया तो उसके पैकेट के पर्स से 58 भिन्न भिन्न बैंक का एटीएम बरामद किया गया। गिरफ्तार साइबर अपराधी ने पुलिस के समक्ष भिन्न भिन्न जिला में एटीएम बदलकर कई घटना में अपनी संलिप्ता स्वीकार किया है।

मोतिहारी पुलिस ने ज्वेलरी दुकानों में चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ा

मोतिहारी। मोतिहारी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी द्वारा गठित एसआईटी टीम ने जिला के अलग अलग थानों के 5 ज्वेलरी दुकानों में लगभग 2 करोड़ की आभूषण चोरी कांड का सफल उदभेदन किया है। चोरी के आभूषण खरीदने वाले लोगों की होगी पहचान। मोतिहारी पुलिस ने वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान कर उत्तर प्रदेश के महिला सहित 5 चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों के पास से पुलिस ने हथियार ,कारतूस ,चोरी में प्रयोग किये गए समान के साथ साथ चोरी गए आभूषण को भी बरामद किया है। पुलिस ने 72 घंटे के अंदर ही ज्वेलर्स चोरी कांड का खुलसा किया है। विगत दिनों चोरों द्वारा नगर थाना ,सुगौली ,तुरकौलिया व मुफसिल थाना क्षेत्र में ज्वेलर्स दुकान का शटर काटकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। मोतिहारी एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया की लगातार जिला के भिन्न भिन्न थाना क्षेत्र में ज्वेलर्स दुकान में हुई चोरी का घटना का सफल उदभेदन किया गया है।सदर एएसपी राज व अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने वैज्ञानिक व तकनीकी तरीके से अनुसंधान कर 5 चोरी की घटना का सफल उदभेदन किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर नगर थाना क्षेत्र के अवधेश चौक पर बड़ी घटना को अंजाम देने के पूर्व घेराबंदी कर 5 अपराधियो को हथियार व गोली के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियो से एसआईटी की पुछताछ में जिला के कई ज्वेलर्स दुकानों में हुई चोरी की घटना का उदभेदन किया गया। गिरफ्तार अपराधियो ने तुरकौलिया,नगर थाना,मुफसिल थाना,सुगौली थाना में हुई ज्वेलर्स की दुकान में चोरी की घटना में अपनी संलिप्ता को स्वीकार किया गया। वही गिरफ्तार अपराधियो के निशानदेही पर बंजरिया थाना क्षेत्र के भाड़े के मकान से भारी मात्रा में चोरी के आभूषण को बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधियो ने बड़ा खुलसा किया है। उन्होंने चोरी के आभूषण खरीदने वाले जिले के कई स्वर्ण व्यवसायियों के नाम का खुलासा किया है। पुलिस चोरी के आभूषण खरीदने वाले के सत्यापन कर कार्रवाई में जुटी है। गिरफ्तार अपराधियो की पहचान उत्तरप्रदेश के बदायूं जिला के चंद्रशेखर उर्फ शेखर ,मंगल सिंह व औरैया जिला के आकाश,उमाशंकर व सुशीला देवी केरूप में की गई।जिले के 5 जेवलर्स दुकान के चोरी कि घटना की सफल उदभेदन में एएसपी राज,अरेराज डीएसपी रंजन कुमार,प्रशिक्षु डीएसपी अजित कुमार,पूजा विश्वास,मधु कुमारी,वसीम फिरोज ,नगर इंस्पेक्टर विश्वमोहन चौधरी,मुफसिल अवनिश कुमार,पीपरा कोठी मनोज कुमार सिंह,सूगैली अमित कुमार,तुरकौलिया अनिल कुमार ,बंजरिया प्रभाकर पाठक,इंस्पेक्टर मनीष कुमार अखिलेश कुमार मिश्र,ज्वाला सिंह सहित पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि 5 जेवलर्स की चोरी की घटना के उदभेदन में शामिल सभी पुलिस पदाधिकारियो को सम्मानित किया जाएगा।

भारत मे बाईस जनवरी बनेगी एतिहासिक तारीख- हर साल मनेगी दिपावली

पटना। बाईस जनवरी भारत के इतिहास मे एक तारीख बन जाएगा जैसे रामचन्द्र के अयोध्या वापसी के उत्सव के रूप मे हिन्दू समाज हजारों साल से दीपावली का त्योहार मनाता आ रहा है। उसी तरह पांच सौ सालो की लड़ाई के बाद अयोध्या में श्री राम के मंदिर मे आज रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का शुभ दिन आया है । सिर्फ भारत ही नहीं पूरी दुनिया के लिए यह दिन दीपावली से कम नहीं है । पूरे भारतवर्ष मे कई दिन पहले से ही लोगों मे त्योहार का माहौल है। इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री जी एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करेंगे और प्राण प्रतिष्ठा उत्सव कार्यक्रम को पूरा करेंगे । सुरक्षा को लेकर पूरी पुख्ता व्यवस्था की गई है ताकि किसी तरह की सुरक्षा चूक ना हो । आज का कार्यक्रम सुबह दस बजे मंगल ध्वनि के साथ शुरू होगा जिसके बाद प्रधान मंत्री पहुंचेंगे । ग्यारह बजे से मुख्य अतिथि मंदिर प्रांगण मे पहुँचेंगे और साढ़े ग्यारह बजे से गर्भ गृह मे पूजा शुरू होगी । अयोध्या में सोलह जनवरी से शुरू हुए प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के आखिरी दिन आज भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में होगी । रविवार शाम को रामलला की पुरानी प्रतिमा (रामलला विराजमान, जिनकी पूजा हो रही है) को राम मंदिर ले जाया गया। रामलला के साथ उनके तीनों भाई, हनुमान जी और शालिग्राम भी नए मंदिर पहुंचे। इस कार्यक्रम मे भाग लेने वाले सभी प्रमुख मेहमान अयोध्या पहुँच गए है । और उनके स्वागत के लिए अयोध्या नगर भी पूरी तरह से तैयार है । हालांकि सुरक्षा कारणों से भक्तों को मंदिर से दूर रखा गया है परंतु पूरा अयोध्या नगर दुल्हन की तरह सजाया गया है । आज फिर से अयोध्या वासी उसी तरह तैयार दिख रहे है जैसा हजारों साल पहले वनवास से राम के लौटने पर , सिर्फ अयोध्या ही नहीं पूरे देश मे जनमानस दीपावली मनाने को तैयार है । अयोध्या की हर गली सड़क, हर घर और जहाँ तक भी नजर जा रही है भगवा ही भगवा लहराता नजर आ रहा है ।

मंगलवार के डबल मर्डर मामले में पुलिस के हाथ लगे अहम सुराग

बगहा। बगहा में डबल मर्डर के मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगा है। पुलिस को मृतका की बेटी खुशबू का मोबाइल मिल गया है। अब मोबाइल पूरे हत्या का राज खोलेगी। खुशबू के कॉल डिटेल्स के आधार पर पुलिस कई और नए संदिग्धों की पहचान कर उनसे पूछताछ कर रही है। एसपी किरण कुमार जाधव ने बताया कि पुलिस मामले में पूरी गहनता से जांच कर रही है। पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। इनके आधार पर शीघ्र मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। इधर, इस मामले में नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर भी पुलिस की टीम द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले में पुलिस ने रविवार को भी कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की है। गौरतलब हो कि मंगलवार की सुबह शहर के नारायणपुर वार्ड 3 के बगीचा टोला से पुलिस ने मां बेटी के शव को बरामद किया था। लेकिन अभी तक पुलिस को इस मामले में कोई सफलता नहीं मिली है। इधर पुलिस डबल हत्या मामले में अब तक करीब डेढ़ दर्जन लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा पुलिस मृत शोभा तिवारी के जानने वालों से भी इस मामले में पूछताछ कर रही है।

बेतिया में शिक्षा संवाद कार्यक्रम के पश्चिम चंपारण शिक्षा संवाद कार्यक्रम में मारपीट

बेतिया से आशीष की रिपोर्ट

लौरिया में शिक्षा संबाद कार्यक्रम के दौरान मारपीट की खबर है परंतु डीएपीओ ने कारवाई की बात कही है। लौरिया प्रखंड के लाकर सिसई पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय लाकर सिसई के प्रांगण में शिक्षा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहाँ कार्यक्रम के दौरान ही लाठी चटकाई गयी। इस घटना में एक बच्ची घायल हो गयी है। इस घटना के दौरान विद्यालय परिसर में अफरा तफरी मच गयी। बताते चलें की राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय में आज बिहार व केन्द्र सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट शिक्षा संवाद कार्यक्रम आयोजित था। उसी दौरान पीछे बैठे कुछ लोगो में किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गई और कार्यक्रम समाप्त होते ही लाठी चटकने लगी। जिसमे एक बच्ची घायल हो गई। ही इस कार्यक्रम के डीएपीओ (जिला सहायक प्रोग्राम पदाधिकारी शिक्षा विभाग) नरेंद्र कुमार ने ऑफ द कैमरा बताया की जिसने भी मारपीट की उसकी विडिओ फुटेज के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

टैक्स की सलाह...

कैसे रहें अपडेट अपने GST से- बचे परेशानी से आपकी थोड़ा सा ध्यान आपको बचा सकता है कई नुकसान से जानिये क्या है एक्सपर्ट की राय। सभी करदाता बन्धुओं के लिए जरूरी है कि वे अपने इनकम टैक्स और GST Portal और उसमे दर्ज मोबाईल नम्बर और ईमेल जो करदाता या कर-पेशेवर का होता है। उसको समय-समय पर खोल कर देख और चेक कर ले हो सकता है कि उसपर कोई नोटिस, डीमान्ड-आर्डर, कर-निर्धारण आदेश, अन्य कोई आर्डर हो जिसका जवाब समय से दे दिया जाए तो बहुत बड़ा नुकसान से बचा जा सकता है । अभी के समय में बहुत सारे मामलों मे ऐसा देखा जा रहा है जिसमें अगर समय से जवाब/स्पष्टीकरण दे दिया गया रहता तो उतना बड़ा नुकसान नही होता जितना सामने आ रहा है । करदाता को अभी के दौर में हमेशा इसके लिए सजग रहने की जरूरत है अन्यथा समय निकल जाने पर उसे सम्भालना कठीन हो जाता है । पोर्टल पर यदि कोई है नोटिस है तो उसका जवाब/स्पष्टीकरण समय पर दे । नोटिस का समय पर Reply देना ही आधी जीत की गायरन्टी है।

राम जन्मभूमि मंदिर को दान देने पर मिलेगी टैक्स में छूट

अगर आप भी राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में राम मंदिर निर्माण के लिए दान करना चाहते हैं तो आप इस पर इनकम टैक्स छूट का फायदा भी ले सकते हैं। सरकार के इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80G से राम मंदिर रेनोवेशन या मरम्मत के लिए किए गए दान की गई 50% रकम पर इनकम टैक्स छूट देने का फैसला लिया हैं। इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80G के तहत सभी टैक्सपेयर जैसे इंडीविजुअल टैक्सपेयर, कंपनियां और फर्म धार्मिक संस्थानों को धन दान करके टैक्स बचा सकते हैं। हालांकि, आप हर जगह डोनेशन देकर टैक्स डिडक्शन क्लेम नहीं कर सकते। इसके लिए आपको उन्हीं संस्थानों या चैरिटेबल ट्रस्ट में डोनेट करना होगा जिनके बारे में आयकर विभाग की वेबसाइट पर जानकारी उपलब्ध है। केंद्र सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट को वित्त वर्ष 2020-21 से सेक्शन 80G(B)(2) के ऐतिहासिक महत्व और प्रसिद्ध सार्वजनिक पूजा स्थल के तौर पर लिस्ट किया है। इसलिए, मंदिर के रिनोवेशन या मरम्मत के लिए किए गए दान में 50% की कटौती दी जा सकती है। इसे उदाहरण से समझते हैं: मान लीजिए आपने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में 1 लाख रुपए दान किए हैं। तो इसमें से आप 50 हजार रुपए पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। यानी ये रकम आपकी कुल टैक्सेबल इनकम में से माइनस कर दी जाएगी। हालांकि, इसके लिए आपको इनकम टैक्स रिटर्न भरते समय दान की रिसिप्ट सबमिट करनी होगी।

अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा प्रक्रिया पूरी

'बचाओ ढोल स्वागत में, मेरे घर राम आए हैं..., युग राम राज का आ गया...'

- पूरे चंपारण में रही भगवान के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा की धूम
- शहर से लेकर गांव तक निकली शोभा यात्रा, गूंजा वातावरण
- यात्रा में प्रस्तुत झांकी रहा आकर्षण का केंद्र
- रात में लोगों ने घरों में मनाया दीपोत्सव

मोतिहारी/पताही/सुगौली

अयोध्या में सोमवार को राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्य पूरा कर लिया गया। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की धूम पूरे चंपारण में रही। बचाओ ढोल स्वागत में, मेरे घर राम आए हैं... युग राम राज का आ गया..., रामजी की लीला है न्यारी... आदि भक्तिमय गीतों से वातावरण गूंज उठा। कोई ऐसा चौक-चौराहा नहीं था, जहां राम भक्त नजर नहीं आए हों। जय श्रीराम के उद्घोष ने पूरे वातावरण को आनंदित कर दिया। शहर से लेकर गांव तक रामभक्तों ने जुलूस निकली। जुलूस में शामिल रामभक्तों का उत्साह चरमोत्कर्ष पर नजर आया। रात में दीपोत्सव मनाया गया। लोगों ने अपने-अपने घरों में दीप जलाकर दशरथ नंदन भगवान राम की स्तूति की। मंदिरों में देव दीपावली मनाई गई। अयोध्या में प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को सफल बनाने को लेकर प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों में शोभ यात्रा निकली। यात्रा में भक्तों ने मनोरम झांकी भी प्रस्तुत की। यात्रा पताही पूर्वी पंचायत अवस्थित राम जानकी मंदिर से प्रारंभ होकर पताही बाजार होते हुए पुनः राम जानकी मंदिर पहुंची। पूरा वातावरण राममय नजर आया। झांकी का नेतृत्व भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सह मुखिया कृष्ण मोहन कुमार सिंह व सरपंच रामनिवास दुबे ने संयुक्त रूप से किया। वहीं पताही पश्चिमी पंचायत में जुलूस का नेतृत्व मुखिया सुनील कुमार ने किया। जबकि, बोकाने कला पंचायत में शोभा यात्रा का नेतृत्व समाजसेवी संतोष महतो द्वारा किया गया। गोनाही पंचायत में रामरथ का नेतृत्व मुखिया प्रतिनिधि राम सहाय राय उर्फ दरोगा जी ने किया। जिहुली पंचायत में राम रेली का नेतृत्व मुखिया निक्कू सिंह ने किया। पूरे प्रखंड क्षेत्र में राम धुन की गूंज रही। विभिन्न पंचायत स्थित मंदिरों पर कहीं हनुमान आराधना तो कहीं राम धुन लोगों द्वारा किया जा रहा है। रात्री में लोगों ने दीपोत्सव मनाया।

जय श्रीराम के नारों से गूंजता रहा वातावरण

सुगौली में भाजपा के वरीय नेता रामगोपाल खंडेलवाल के निवास पर अयोध्या में आयोजित प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को प्रोजेक्टर के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर सांसद संजय जायसवाल भी मौजूद थे। बड़ी संख्या में मौजूद रामभक्तों ने यहां पर श्रीराम लला के दर्शन किए। साथ ही जय श्रीराम के जोरदार नारे भी लगाएं। रामजनकी मंदिर परिसर से शोभा यात्रा निकली। इसमें भक्तों ने आकर्षक झांकी भी प्रस्तुत की। यात्रा पूरे नगर का भ्रमण किया। पूरा वातावरण जय श्री राम का नारों से गूंजता रहा। श्याम परिवार द्वारा भंडारा का आयोजन किया गया। रात में लोगों ने अपने-अपने घरों पर दीपक जलाया और भगवान की स्तुति की। नगर के मुख्य बाजार पर सुबह से ही राम नाम की धूम रही। बच्चे, युवा, जवान सभी राम मंदिर में भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्सुक नजर आएं। सुरक्षा को लेकर थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक मनु प्रसाद, एसआई दिलीप कुमार सिंह, साधुशरण सिंह, रामगुलाम यादव, शाहिद आलम, मो. शोएब, अभिनव कुमार, नवीन कुमार, शंभू साह आदि सक्रिय थे। मौके पर संजय संजू, विकास कुमार शर्मा, श्याम शर्मा, प्रभाकर बरनवाल, टिंकू शर्मा, रितेश खंडेलवाल, शंकर कुमार सर्राफ, कृष्ण कुमार, विवेक कुमार, रौशन सर्राफ, विक्की कुमार आदि उपस्थित थे।

कारगिल कपः केसरिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची मोतिहारी की टीम

हरफनमौला खिलाड़ी कुणाल को मिला मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार

चाणक्य भूमि | पताही

हाई स्कूल, पताही में विजेता क्रिकेट क्लब की ओर से चल रही कारगिल कप 20-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का तीसरे लीग मैच में मोतिहारी ने केसरिया को 8 विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। केसरिया के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। केसरिया ने निर्धारित 16 ओवर में 8 विकेट पर 173 रनों का स्कोर खड़ा किया। जबाव में खेलने उतरी मोतिहारी की टीम 14 वें ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कुणाल कुमार ने नाबाद 55 रन बनाएं। छोटू सिंह ने 40 रनों की पारी खेली। कुणाल को दो सफलता भी मिली। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार एम कुणाल को मुख्य अतिथि दीपक सिंह ने दिया। 23 जनवरी को इस टूर्नामेंट का अंतिम लीग मैच पताही और चकिया के बीच में खेला जाएगा। अंपायर की भूमिका में रॉकस्टार और मोनू सिंह थे। स्कोरिंग रोशन और रविंदर ने की। कमेंट्री की जिम्मेदारी बिट्टू और लाल यादव ने संभाला। मौके पर टूर्नामेंट के व्यवस्थापक सोनू सिंह, मुरारी सिंह, संजीव कुमार आदि उपस्थित थे।

भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा की खुशी में लोगों ने जुलूस निकालकर मनाया जश्न

चाणक्य भूमि | चिरैया

अयोध्या में श्रीरामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लोगों ने शोभा यात्रा व जुलूस निकालकर जश्न मनाया। कई स्थानों पर अष्टजाम कराया गया। वहीं मठ मंदिरों में भजन कीर्तन भी हुई। इस मौके पर लोगों ने अपने अपने घरों की छतों पर राम ध्वज लगाकर अपनी खुशी को व्यक्त किया। चिरैया बाजार में बजरंग दल व महाकाल ग्रुप के बैनर तले जुलूस निकालकर जश्न मनाया गया। जुलूस का नेतृत्व बजरंग दल के पप्पू गुप्ता, सूरज कुमार गुप्ता व विगु साह आदि कर रहे थे। सैकड़ो उत्साही कार्यकर्ता डीजे की धुन पर नाचते व गाते हुए चल रहे थे। इस दौरान सभी लोग हाथ में भगवा ध्वज थामें व जय श्रीराम का उदघोष करते हुए पूरे बाजार क्षेत्र का भ्रमण किया। मौके पर उज्ज्वल साहू, राजेश रॉक, रवि गुप्ता, गुड्डू कुमार, चंदन साहू, किशन कुमार, विनय साहू , गणेश कुमार, संतोष कुमार, चंद्रकांत ठाकुर, कन्हैया प्रसाद, दिनेश रजक आदि थे।

बृज बिहारी लाल इंटर स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

- दीप प्रज्ज्वलित कर बीईओ ने किया प्रतियोगिता का उद्घाटन
- बच्चों ने कबड्डी सहित विभिन्न खेलों में दिखाया दमखम

चाणक्य भूमि | पताही

प्रखंड के पट्टी बोकाने स्थित श्री बृज बिहारी लाल निकेतन +2 विद्यालय, खेल मैदान में सोमवार को अंतर विद्यालय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरविंद कुमार तिवारी, पूर्व प्रधानाध्यापक गौरी शंकर पांडे व विद्यालय के प्राचार्य अजीत कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर व फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात स्कूली बच्चों द्वारा मार्च पास्ट किया गया। प्राचार्य श्री कुमार ने अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर उक्त विद्यालय के शारीरिक शिक्षा शिक्षक सूरज कुमार सिंह ने बताया कि विद्यालय के बच्चों को खेलकूद के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हर वर्ष इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता में 1500, 800, 400, 200 व 100 मीटर दौड़ के अलावा शॉट पुट, खो खो, कबड्डी की प्रतिस्पर्धा कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता की शुरुआत 1500 मीटर दौड़ के साथ की गई। जिसमें प्रथम स्थान पर रंजन कुमार, दूसरे स्थान पर रमेश कुमार व तीसरे स्थान पर राहुल कुमार रहे। मुख्य अतिथि बीईओ अरविंद कुमार तिवारी ने अपने उद्घाटन भाषण में बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एक अच्छे विद्यार्थी को पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद में भाग लेना भी जरूरी है। आगे उन्होंने कहा कि यह भी जरूरी नहीं कि हम हर खेल में जीते। जरूरी है कि प्रतियोगिता में भाग लेना। मंच का संचालन शिक्षक सुनील कुमार सिंह किया। रेफरी एवं स्कोरर की भूमिका में शिक्षक विकास कुमार, कामेश्वर प्रसाद, अजय कुमार, चंद्रशेखर प्रसाद, संजय मंडल, विनोद कुमार साह व वचनदेव कुमार आदि थे।

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से 'राममय' हुआ घोड़ासहन

- दूधिया रौशनी से सराबोर रहा चौक-चौराहा
- ठंड पर भारी पड़ा लोगों का उत्साह

चाणक्य भूमि | घोड़ासहन

अयोध्या में भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में शहर समेत ग्रामीण इलाकों में जबर्दस्त उत्साह का माहौल रहा। मंदिरों के साथ ही घरों को झालर और फूलों से सजाया गया था। शहर के सभी चौक चौराहे रोशनी से सराबोर नजर आएं। सोमवार को ठंड के बावजूद लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला। श्रीरामलला के नवविग्रह के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पूरा घोड़ासहन राममय हो गया। व्यवसायियों सहित आम लोगों ने गाजे बाजे के साथ प्रभातफेरी व शोभायात्रा निकाली। इसमें ढाका विधायक पवन जायसवाल भी शामिल हुए। हाथ में राम ध्वज लेकर रामभक्त जय श्रीराम का नारा लगाते हुए पूरे इलाके में भ्रमण किया। वहीं इस दौरान अयोध्या से रामलला की प्राणप्रतिष्ठा को लाइव देखने के लिए शहर के दो जगहों बस स्टैंड व भगतसिंह चौक पर दो बड़ी बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाए गए थे। ताकि सभी शहर वासी व गांव से आये लोग आसानी से भगवान का दर्शन कर सके। वहीं रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद शहर में कई जगहों पर श्रद्धालु भक्तों द्वारा भंडारे व प्रसाद वितरण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे बस स्टैंड, भगवान लाल चौक पर, राजमन्दिर गेट पर, भगतसिंह चौक, सावर्जनिक धर्मशाला, बीरता चौक, बाजार व दुर्गा मंदिर परिसर आदि समेत कई जगहों पर प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान जगह जगह सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसएसबी व घोड़ासहन थाना की पुलिस सजग रही। इधर दुर्गा मंदिर घोड़ासहन में भगवान राम, माता जानकी, भगवान लक्ष्मण व हनुमान जी की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा व स्थापना धूमधाम से की गई। इसमें बड़ी संख्या में भक्त मौजूद थे।

हथियारबंद चोरों ने घर में घुस पांच लाख रुपए की संपति की चोरी

चिरैया। थाना क्षेत्र के रामपुर गांव में रविवार की देर रात घर में घुस कर हथियारबंद चोरों ने नगद व जेवर सहित लगभग पांच लाख रूपये की संपति चोरी कर ली। चोरों ने घर में घुसते ही गृहस्वामी सहित परिवार के सभी सदस्यों को घर में बंद कर दिया। इसके बाद घर में रखे एक एक पेटी को तोड़ कर जेवर व नगदी समेत लगभग पांच लाख रूपये के संपति की चोरी कर ली। हथियारबंद सभी चोर गमछा से चेहरे को ढक रखा था। चोरों की संख्या आधा दर्जन बताई जा रही है। करीब एक घंटे तक चोरी करने के बाद चोर मेन गेट खोल कर बाहर चले गए। चोरों के जाने के बाद गृहस्वामी दिनेश साह ने शोर मचाना शुरू किया। तब ग्रामीण आकर सभी को घर से बाहर निकाला। मामले को लेकर पीड़ित गृहस्वामी दिनेश साह ने प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए थाना में एक आवेदन पत्र दिया है। जिसमें अज्ञात चोरों को आरोपित किया गया है। इधर रामपुर उत्तरी पंचायत के मुखिया मनोज कुमार यादव की सूचना पर पहुंची चिरैया पुलिस ने मामले की जांच किया है। जानकारी देते हुए सब इंस्पेक्टर राजकिशोर राय ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर कारवाई की जा रही है।

शिव शक्ति धाम मझौलिया में सुंदर पाठ का आयोजन

राममय हुआ मझौलिया भंडारा में उमड़ी भारी भीड़ सेल्फी लेनेवालों की भीड़ उमड़ी

मझौलिया। 22 जनवरी सोमबार को श्री राम महोत्सव के अवसर पर महाबीरी झंडा के साथ ग्रामीणों की भारी भीड़ शिव शक्ति धाम में उमड़ी।कुंडेश्वर नाथ महादेव मन्दिर अहवर कुड़िया मेला स्थान पर समाजसेवी विनोद तिवारीकी देखरेख में पूजा पाठ किया गया।इस अवसर पर श्रद्धालुओ के बीच प्रासाद वितरण किया गया।युवा समाजसेवी विकास तिवारी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है।उन्होंने उपस्थित लोगों से पुरषोत्तम राम के आदर्शों का अनुशरण करने का आह्वान किया चीनी मिल परिसर स्थित शिव शक्ति धाम में सुबह से ही आम जनो के दर्शन के लिये मेन गेट खोल दिया गया था।ग्रामीण क्षेत्रो से आये झुंड की झुंड महिलाओ द्वारा पूजा अर्चना किया गया। आचार्य पंडित उमेश तिवारी और चुनचुन पांडेय की देखरेख में आचार्या की टीम द्वारा सुंदर पाठ का आयोजन किया गया।इस अवसर पर आयोजित भंडारा में श्रमिकों तथा ग्रामीण क्षेत्रो के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।बाबा नागेश्वर नाथ महादेव मंदिर परिसर से श्री राम, सीता लक्ष्मण और हनुमान की झांकी निकाली गयी।जो मन्दिर परिसर से शुरू होकर मझौलिया चौक होते हुए पुराना पेट्रौल पंप तक गया, पुनः मंदिर परिसर पहुंचा।जुलूस के दौरान खूब आतिशबाजी की गयी।झांकी के आगे आगे बाइक रैली निकाली गयी,महाबीरी झंडा के साथ जुलूस में शामिल लोग जय श्री राम का नारा लगा रहे थे।शिव मंदिर गुरचुरवा के लोगों का गजब उत्साह देखा गया।

भारी संख्या में युवक शिव शक्ति धाम पहुंचे और पूजा अर्चना की।यहां सेल्फी लेनेवालों की भीड़ उमड़ी।श्री राम महोत्सव को सफल बनाने में शुगर इंडस्ट्रीज के जीएम केन डॉ. जे पी त्रिपाठी, जीएम टी संतोष कुमार, जीएम पी सर्वेश कुमार दुबे, डिप्टी जीएम कमर्शियल यू एन राय, एजीएम विजय आनंद, प्रोडक्शन हेड प्रदीप शुक्ला, सीनियर मैनेजर एच आर रमाकांत मिश्रा,सीजीएम अखिलेश सिंह, सीएम सुधीर सिंह डिप्टी सीएम राज आनन्द प्रसाद ,ऑफिसर टाइम ऑफिस एस पी श्रीवास्तव आदि की उल्लेखनीय भूमिका रही।शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये इंस्पेक्टर अभय कुमार गस्त लगाते देखे गये।

सरकार की योजनाओं से अवगत हुए छात्र व अभिभावक

सुगौली। प्रखंड अंतर्गत दीनदयाल उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अभिभावक सरकार की ओर से छात्रों के लिए चलाई जा रही योजनाओं से अवगत हुए। आईसीडीएस के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कबिता कुमारी, भूदाता महंत मनीष दास, प्रधानाध्यापक शमिमुल हक, बीईओ रामविजय यादव, नंद उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामकिशोर सिंह, शिक्षक केदार प्रसाद, अभय कुमार कापड़, मनोहर राम, मो.तख़लीक़, इंदु कुमारी, मनोज कुमार भारती, शिवम राम, नवनीत कुमार चौधरी आदि ने मौजूद विद्यार्थी व अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने छात्र छात्राओं के लिए पढ़ाई के साथ साथ उनकी सुविधाओं को लेकर कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि वर्ग नवम के छात्र छत्राओं के लिए विद्यालय आने जाने के लिए साइकिल, एक जैसी मनोदशा के लिए एक जैसी पोशाक की राशि देने सहित मेधावी छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति भी दी जाती है। साथ ही छात्राओं को नैपकीन भी सरकार द्वारा दी जाती है। दशम वर्ग के छात्र-छात्राओं को भी पोशाक व छात्रवृत्ति देने सहित छात्राओं को नैपकिन दी जाती है। उन्होंने कहा कि ग्यारहवीं के छात्र छात्राओं को भी पोशाक की राशि दी जाती है। जिसके साथ ही मैट्रिक की परीक्षा में प्रथम आने वाले छात्र छात्राओं को दस हजार पुरस्कार की राशि सरकार द्वारा दी जाती है। जिससे छात्र छात्राओं में पढ़ाई में अभिरुचि के साथ साथ प्रथम आने के लिए प्रतिस्पर्धा बनी रहे। इसके साथ ही द्वितीय आनेवाली एससी/एसटी व अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र छात्राओं को आठ हजार रुपये की राशि दी जाती है। उन्होंने कहा कि वही इंटरमीडिएट की परीक्षा में प्रथम आये छात्र छात्राओं को 25 हजार की राशि भी सरकार देती है। इसके साथ ही कन्या उत्थान योजना के तहत छात्राओं को अतिरिक्त दस हजार रुपये दिए जाते है।

रविवार को बेतिया रहा रामनाम से गुंजायमान

बेतिया। रविवार को बेतिया नगर पूरी तरह से रामनाम से गुँजायमान रहा । अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कालीबाग से एक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई।हजारों की संख्या मे भक्तों ने इस यात्रा मे भाग लिया । इस सोभायात्रा मे बच्चे बूढ़े और महिलाओ ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। शोभा यात्रा मे लोगों ने राम मंदिर के लिए अपनी शहादत देने वाले कोठारी बंधु को भी याद किया अयोध्या मे होने वाली राममंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर जहाँ पूरे देश मे दिवाली जैसे उत्सव का माहौल है वही रविवार को बेतिया मे लोगों ने दिन भर पूरे नगर को राममय बनाया रखा वही कालीबाग से एक भव्य शोभायात्रा निकली गई जो नगर भ्रमण के उपरांत वापस कालीबाग मंदिर प्रांगण मे पहुँची । यात्रा के पूरे रास्ते मे लोगों ने जगह जगह भक्तों का दिल खोलकर स्वागत किया । लोगों ने कही खीर पूरी तो कहीं मिठाईया खिलाकर कर अपनी खुशी जाहीर की । इस अवसर पर बेतिया के हर मंदिर को सजाया गया। शोभायात्रा में सांसद विधायक के साथ सभी बड़े नेताओं ने शिरकत किया । सिर्फ बेतिया ही नहीं जिले भर मे इस खुशी में अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लौरीया के गोबरौरा का राम जानकी मंदिर हो या लखनपुर या हो अशोक स्तंभ स्थित राम जानकी मंदिर योगापट्टी का मच्छरगांवा हर जगह राम नाम की धुन थी। बेतिया के दुर्गाबाग मंदिर परिसर स्थित हनुमान मंदिर में आम आदमी पार्टी की तरफ से सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया।

सरस्वती विद्या मंदिर, बरवत सेना, बेतिया का संपूर्ण परिसर भगवामय

बेतिया। राम जन जन के हृदय में निवास करते है" इस उक्ति को वास्तविकता में और धरातल पर प्रत्यक्ष रूप से देखने को आज हमें मिला। गांव-गांव, शहर-शहर ,बालक हो या वृद्ध, छात्र हो या शिक्षक सब, धरती हो या अंबर सब राममय। इन्हीं बातों को चरितार्थ करते हुए सरस्वती विद्या मंदिर, बरवत सेना, बेतिया का संपूर्ण परिसर भगवामय हो गया था ।छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिका सब भगवा रंग में रंगे थे,रामलाल प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित उत्सव में हवन पूजन का आयोजन विद्यालय में किया गया था। सर्वप्रथम भगवान श्री राम एवं उनके अनन्य भक्त श्री हनुमान जी पूजा हुआ, तत्पश्चात सुंदरकांड का पाठन हुआ,इसमें भाग ले रहे थे, राजेश मिश्र, पवन सिंह इत्यादि। इसी बीच विभाग निरीक्षक श्रीमान अनिल राम, प्रधानाचार्य श्री विनोद कुमार, प्रभारी प्रधानाचार्य प्राथमिक खंड अवधेश श्रीवास्तव एवं अन्य आचार्य राम नरेश सिंह, लखींद्र सिंह, जय किशोर सिंह राजकुमार जी, प्रवीण श्रीवास्तव, विमलेश सिंह, इंदु भूषण, संदीप झा झा, अमृता सिंह, वंदना पांडे, श्वेता कुमारी, शिल्पी वर्मा इत्यादि के नेतृत्व में एक शोभायात्रा विद्यालय से निकल कर बरवत गांव का गली गली परिभ्रमण एवं राम नाम का निरंतर उद्घोष करते हुए करीब एक घंटा परिभ्रमण करते हुए विद्यालय परिसर में वापस प्रवेश किया ।तत्पश्चात छात्र-छात्राओं में प्रसाद स्वरूप मिष्ठान का वितरण कर, उन्हें अवकाश दिया गया। सुंदरकांड के पाठन के उपरांत हवन किया गया, जिसमे सभी आचार्य एवं आचार्या भाग लिए। अंत में श्री राम जी एवं श्री हनुमान जी की आरती संपन्न हुई।

नाव हादसे में दस बच्चों समेत बारह की मौत

गुजरात। गुजरात में एक बड़ा नाव हादसा हो गया है जिसमे दस बच्चों की मौत हो गई है साथ ही दो शिक्षकों की भी मौत हो गई है। यह घटना वडोदरा के हरणी लेक में हुआ। जबकि बाकी 13 बच्चे और 2 टीचर को बचा लिया गया है। जानकारी के अनुसार वडोदरा के न्यू सनराइज स्कूल के बच्चे पिकनिक के लिए हरणी लेक गये थे । जहाँ पर यह घटना घटी । अपुष्ट ख़बरों के अनुसार कई बच्चों ने सुरक्षा जैकेट नहीं पहन रखी थी जिस वजह से इतनी बड़ी घटना हो गई। इस घटना पर दुख प्रकट करते हुये विधायक केउर रोखड़िया ने कहा कि यह घटना दुखद है। इस घटना में छोटी या

बड़ी किसी भी चूक की गंभीरता को नोट किया जाएगा। फिलहाल हमारी प्राथमिकता इन बच्चों को बचाने की है। जिसकी भी गलती होगी उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अगर बच्चों की सुरक्षा का ख्याल नहीं रखा गया है, तो उसकी भी जांच की जायेगी।

मोदी-योगी के राज में आनंद भयो की गूंज, आगंतुकों का भव्य स्वागत

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में अब कुछ ही घंटों का समय बचा है। हजारों की तादात में रामभक्त रामनगरी पहुंच चुके हैं। मोदी-योगी के राज में आनंद भयो का जयकारे लगाते हुए रामभक्त मंदिर परिसर में प्रवेश कर रहे हैं। लाल पगड़ी और लाल पताका से सभी का स्वागत किया गया। इसे देखने के लिए देश और दुनिया बेसब्री से इस ऐतिहासिक पल का इंतजार कर रही है। प्राण प्रतिष्ठ समारोह में आमंत्रित संत-महात्मा व विशिष्टजन जयकारे के साथ अयोध्या पहुंच रहे हैं। जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय है। आमंत्रित विशिष्टजन के आगमन पर फूल-मालाओं व जयश्रीराम के जयकारे के साथ स्वागत किया जा रहा है और वे यथास्थान शिरकत कर रहे हैं। अब मुख्य यजमान का इंतजार है।

किसानों को 45 रुपये बोनस देकर सरकार गन्ना मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान की गारंटी करेः किसान महासभा

बेतिया। बिहार राज्य गन्ना उत्पादक किसान महासभा के जिला अध्यक्ष और अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय पार्षद सुनील कुमार राव ने कहा कि तीन साल के लंबे संघर्ष के बाद गन्ना पेराई सत्र 2023-24 का गन्ना मूल्य में 15 से 20 रुपये की वृद्धि का स्वागत किया है लेकिन इसे खेती लागत खर्च से बहुत कम बताया है । उन्होंने कहा कि पिछले दो पेराई सत्र में गन्ना मूल्य नहीं बढ़ाया गया। खेती में लागत खर्च काफी बढ़ गया है। फेयर एंड रेम्यूनेरेटिव प्राइस (FRP) पिछले दो और वर्त्तमान पेराई सत्र को मिलाकर 30 रूपया बढ़ाया गया। अगर उसे भी जोड़कर प्रतिवर्ष चीनी मिलें किसानों को भुगतान करती तो आज गन्ना मूल्य 365 रूपया होता। लेकिन चीनी मिलों की मनमानी के वजह से किसान हैरान-परेशान है। किसान पिछले कई वर्षों से गन्ना रेट 400/- रूपया प्रति क्विंटल करने की मांग करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना पेराई सत्र शुरू होने के बाद निवर्तमान गन्ना मंत्री ने कहा था कि गन्ना मूल्य किसानों के मांग के अनुरूप नहीं तो सम्मान जनक बढ़या जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। गन्ना मूल्य तय करने में चीनी मिलों की मनमानी चली। हमारी मांग है कि सरकार 45 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देकर 400/- प्रति क्विंटल भुगतान करने का चीनी मिलों को आदेश जारी करे। यहाँ उल्लेखनीय है कि सरकार ने चीनी मिलों के साथ बैठक कर गन्ना मूल्य के तीनों वेराइटी क्रमशः अगात के लिए 355 रुपये, सामान्य के लिए 335 रूपये और लेट के लिए 300 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान करने का आदेश जारी किया है। जबकि पुर्व में यह मूल्य क्रमशः 335,315 एवं 285 रूपये था।

राममय देवभूमि, मुख्यमंत्री ने सपरिवार टपकेश्वर मंदिर में की पूजा अर्चना

देहरादून। राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश भर के साथ ही देवभूमि श्रीराम के उल्लास में डूबी हुई है। जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सपरिवार टपकेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। सुबह से ही सभी मंदिरों में सुबह से ही लोगों का ताता लगा हुआ है। उत्तराखंड सरकार के सभी मंत्री अलग-अलग मंदिरों में वर्चुअल माध्यम से राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से जुड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी देहरादून के टपकेश्वर मंदिर में सपरिवार पहुंचे। जहां उन्होंने पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि यह हमारे लिए गौरव का दिन और क्षण है। सभी के घरों में आज दीपावली का त्योहार मनाया जा रहा है। देवभूमि में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जगह-जगह उत्सवी में माहौल प्रभु श्रीराम का उद्घोष मन को आनन्दित कर रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक अजीत कुमार सिन्हा उर्फ अजीत कुमार द्वारा शिखा प्रिंटिंग प्रेस वास्ते अनिशा डिजिटल प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित ।
किसी भी वाद-विवाद का निपटारा न्यायिक क्षेत्र बेतिया में होगा । सम्पादकिय कार्यालय : नया बाजार, बेतिया, प0 चम्पारण-845438, कार्यकारी सम्पादक : मनिष कुमार, मो0-9472494714